Greenlawns School, Worli

प्रथम सत्रीय पुनरावलोकन (२०२४-२५)

हिंदी

कक्षा :- दसवीं **पूर्णांक:-** ८०

दिनांक :- २४ .०९.२४ **समय:-** ३ घंटे

Maximum Marks: 80
Time allowed: Three hours.
Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.
You will not be allowed to write during the first 15 minutes.
This time is to be spent in reading the question paper.
The time given at the head of this question paper is the time allowed for writing answer.

Section A is compulsory - All questions in Section A must be answered.
Attempt any four questions from Sections B, answering at least one question each from the two books you have studied and any two questions from the same book you have studied .
The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ]

SECTION A

(Attempt all questions from this Section.)

Question 1

Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics :

प्र.१ निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त हिंदी लेख लिखिए: [15]

१. सैनिक सीमा के प्रहरी ही नहीं बल्कि राष्ट्रभक्त भी होते हैं । सैनिकों का जीवन बड़ा कठिन होता है। सैनिकों के प्रति सम्मान व कृतज्ञता की भावना रखना हर भारतीय का कर्तव्य हैं। सैनिक शिक्षा की आवश्यकता बताते हुए भारतीय सैनिकों की भूमिका युद्ध के समय क्या होती है, उसका वर्णन कीजिए।

२. आत्मविश्वास जीवन में सफलता प्राप्ति की कुंजी है। जीवन मूल्यों के बिना व्यक्ति सफल नहीं हो सकता है। अपने जीवन की उस घटना का वर्णन कीजिए जिसके बाद आपने अपना खोया हुआ आत्मविश्वास पुनः प्राप्त कर लिया ।

३. 'वीडियो गेम ने नवयुवकों को खेल के मैदान से दूर कर दिया है ।' क्या आप इस कथन से सहमत हैं इस कथन के पक्ष अथवा विपक्ष में अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

४. ‘ अब पछताए होत क्या जब चिड़ियाँ चुग गई खेत’ इस लोकोक्ति के आधार पर एक मौलिक कहानी लिखिए।

५. नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर उसका परिचय देते हुए कोई लेख, कहानी अथवा घटना लिखिए , जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए ।

Question 2

Write a letter in Hindi of approximately 120 words on any one of the following topics:

प्र.२ निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग १२० शब्दों में पत्र लिखिए :[7]

छात्रावास से अपनी माताजी को पत्र लिखकर यह बताइए कि अपने आनेवाले जन्मदिन पर इस बार आपको महँगा उपहार क्यों नहीं चाहिए और उन रुपयों से आप कौन – सी समाज – सेवा करेंगे।

अथवा

अपने गाँव में उच्च माध्यमिक विद्यालय खुलवाने का अनुरोध करते हुए शिक्षा मंत्री को पत्र लिखिए।

Question 3

Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible :

प्र. ३ निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए।उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए।

एक यहूदी पुजारी थे। लोग उन्हें अत्यंत श्रद्धा एवं भक्ति भाव से देखते थे। वहाँ मंदिर को सिनगॉग कहा जाता है। यहूदी पुजारी प्रतिदिन सुबह सिनगॉग जाते और दिनभर मंदिर में रहते। सुबह से ही लोग उनके पास प्रार्थना के लिए आने लगते। जब कुछ लोग इकट्ठे हो जाते, तब मंदिर में सामूहिक प्रार्थना होती। जब प्रार्थना संपन्न हो जाती, तब पुजारी लोगों को अपना उपदेश देते। उसी नगर में एक गाड़ीवान था। वह सुबह से शाम तक अपने काम में लगा रहता। इसी से उसकी रोजी- रोटी चलती। यह सोचकर उसके मन में बहुत दुख होता कि मैं हमेशा अपना पेट पालने के लिए काम-धंधे में लगा रहता हूँ, जबकि लोग मंदिर में जाते हैं और प्रार्थना करते हैं। मुझ जैसा पापी शायद ही कोई इस संसार में हो। यह सोचकर उसका मन आत्म-ग्लानि से भर जाता था। सोचते-सोचते कभी तो उसका मन और शरीर इतना शिथिल हो जाता कि वह अपना काम भी ठीक से नहीं कर पाता। इससे उसको दूसरों की झिड़कियाँ सुननी पड़ती। जब इस बात का बोझ मन में बहुत अधिक बढ़ गया, तब उसने एक दिन यहूदी पुजारी के पास जाकर अपने मन की बात कहने का निश्चय किया।

वह यहूदी पुजारी के पास पहुँचा और श्रद्धा से अभिवादन करते हुए बोला," हे धरमपिता! मैं सुबह से लेकर शाम तक एक गाँव से दूसरे गाँव गाड़ी चलाकर अपने परिवार का पेट पालने में व्यस्त रहता हूँ। मुझे इतना भी समय नहीं मिलता कि मैं ईश्वर के बारे में सोच सकूँ। ऐसी स्थिति में मंदिर में आकर प्रार्थना करना तो बहुत दूर की बात है।" यहूदी पुजारी ने देखा कि गाड़ीवान की आँखों में एक भय और असहाय होने की भावना झलक रही है। उसकी बात सुनकर यहूदी पुजारी ने कहा," तो इसमें दुखी होने की क्या बात है?"

गाड़ीवान ने फिर से अभिवादन करते हुए कहा, " हे धरमपिता ! मैं इस बात से दुखी हूँ कि कहीं मृत्यु के बाद ईश्वर मुझे गंभीर दंड न दे। स्वामी मैं न तो कभी मंदिर आ पाया हूँ और लगता भी नहीं कि कभी आ पाऊँगा।" गाड़ीवान ने दुखी मन से कहा, " हे धरमपिता ! मैं आपसे यह पूछने आया हूँ कि मैं अपना यह पेशा छोड़कर नियमित मंदिर में प्रार्थना के लिए आना आरंभ कर दूँ?" पुजारी ने गाड़ीवान की बात गंभीरता से सुनी। उन्होंने गाड़ीवान से पूछा," अच्छा !तुम यह बताओ कि तुम गाड़ी में सुबह से शाम तक लोगों को एक गाँव से दूसरे गाँव तक पहुँचाते हो। क्या कभी ऐसे अवसर आए कि तुम अपनी गाड़ी में बूढ़े, अपाहिजों और बच्चों को मुफ्त में एक गाँव से दूसरे गाँव तक ले गए हो?" गाड़ीवान ने तुरंत उत्तर दिया, "हाँ! धरमपिता ऐसे अनेक अवसर आते हैं। यहाँ तक कि मुझे ऐसे लगता है कि

यदि राहगीर चल पाने में असमर्थ है,तब मैं उसे गाड़ी में बिठा लेता हूँ। " पुजारी गाड़ीवान की बात सुनकर अत्यंत उत्साहित हुए। उन्होंने गाड़ीवान से कहा, "तुम अपना पेशा बिलकुल मत छोड़ो। थके हुए बूढ़ों, अपाहिजों, रोगियों और बच्चों को कष्ट से राहत देना ही ईश्वर की सच्ची प्रार्थना है। जिसके मन में सेवा और करूणा की यह भावना रहती है, उनके लिए पृथ्वी का प्रत्येक कण मंदिर के समान होता है और उनके जीवन की प्रत्येक साँस में ईश्वर की प्रार्थना बसी रहती है। मंदिर में तो वे लोग आते हैं जो अपने कर्मों द्वारा ईश्वर की प्रार्थना नहीं कर पाते। तुम्हें मंदिर आने की बिलकुल जरूरत नहीं है। सच तो यह है कि सच्ची प्रार्थना तो तुम्हीं कर रहे हो। यह सुनकर गाड़ीवाला अभिभूत हो उठा और उसकी आँखों से आँसुओं की धारा वह चली। उसने पुजारी का अभिवादन किया और काम पर लौट गया।

1। पुजारी की दिनचर्या कैसी थी ? **[2]**

2। गाड़ीवान को किस बात पर ग्लानि होती? इसका उसपर क्या असर होता ? **[2]**

3। गाड़ीवान पुजारी के पास क्यों गया और उसको किस बात का भय था? **[2]**

4। पुजारी के अनुसार गाड़ीवान को अपना काम छोड़कर मंदिर आने की आवश्यकता क्यों नहीं थी? **[2]**

5। प्रस्तुत गद्यांश से क्या सीख मिलती हैं ? **[2]**

Question 4

Answer the following according to the instructions given below :

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :- [8]

(i) 'दया' का पर्यायवाची शब्द बताइए :-

a) सहायता – सहानुभूति

b) कृपालु– दयालु

c) करुण – कृत

d) कृपा – करुणा

(ii) 'दर्शन ' का विशेषण शब्द बताइए:-

a) दर्श

b) दर्शनीय

c) दर्शनिया

d) दर्शानीय

(iii) 'सेवक ' की भाववाचक संज्ञा चुनिए -

a) सेविका

b) सेवकता

c) सेवामयी

d) सेवा

(iv) 'उत्तीर्ण' का विलोम शब्द चुनिए -

a) अनूउत्तीर्ण'

b) अनुत्तीर्ण

c) ऊनउत्तीर्ण

d) अनुत्तिर्ण

(v) ' इतिश्री करना' मुहावरे का अर्थ बताइए :-

a) सामाप्त हो जाना

b) आरंभ करना

c) इंकार करना

d) समाप्त करना

(vi) 'ओद्योगिक शब्द का शुद्ध रूप बताइए:

a) औद्योगिक

b) ओद्यौगिक

c) औद्योगीक

d) औद्योग्रीक

(vii) निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए ।

मनीष कभी <u>किसी द्वारा किए गए उपकार को नहीं मानता।</u>

(रेखांकित वाक्यांश हेतु उपयुक्त शब्द का प्रयोग किस विकल्प में हुआ है।)

a) मनीष कृतघ्न है।

b) मनीष अनुपकार है

c) मनीष कृतज्ञ है।

d) मनीष उपकारी है।

viii) निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए ।

पुलिस द्वारा तीन आतंकवादी पकड़े गए। (कर्तृवाच्य में परिवर्तित कीजिए ।)

a) पुलिस को तीन आतंकवादियों ने पकड़ा।

b) पुलिस ने तीन आतंकवादी पकड़े।

c) पुलिस तीन आतंकवादी पकड़ेगी ।

d) पुलिस तीस आतंकवादी पकड़ने जा रही है।

Section B (40 Marks)

(Attempt any Four questions from this Section.)
(You must answer at least one question from each of the two books you have studied and any two other questions from the same books you have chosen.)

साहित्य सागर - संक्षिप्त कहानियाँ
(SAHITYA SAGAR – SHORT STORIES)

Question 5
Read the extract given below and answer in Hindi the question that follow:

प्र.५ निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :-

"मालिक से पेशगी माँग लो।"

बात अठन्नी की – सुदर्शन

1) ' पेशगी' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए। किसे, किससे पेशगी माँगने को कहा जा रहा **[2]**

2) वक्ता के मालिक का परिचय दीजिए। **[2]**

3) पेशगी माँगने का कारण स्पष्ट करते हुए वक्ता की उदारता स्पष्ट कीजिए। **[3]**

4) ' बात अठन्नी की ' इस पाठ के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए। **[3]**

Question 6

Read the extract given below and answer in Hindi the question that follow:

प्र. ६ निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :-

सामने वृक्षों का एक कुंज और कुआँ देखकर सेठ ने विचार किया कि थोड़ी देर रूककर भोजन और विश्राम कर लेना चाहिए। यह सोचकर वे कुंज की ओर बढ़े।

महायज्ञ का पुरस्कार - यशपाल

1) सेठजी कहाँ जा रहे थे तथा क्यों? [2]

2) सेठजी को विश्राम करने की आवश्यकता क्यों पड़ी ? [2]

3) सेठजी विश्राम करने के लिए कुंज में ही क्यों रूके और उन्होंने वहाँ पहुँचकर क्या किया ? उनकी पोटली में क्या-क्या था ? [3]

4) क्या सेठजी भोजन और विश्राम कर पाए ? यदि नहीं तो क्यों? वहाँ घटित घटना विस्तारपूर्वक लिखिए। [3]

Question 7

Read the extract given below and answer in Hindi the question that follow:

प्र. ७ निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :-

चारों सियार भेड़िए की जय बोलते हुए भेड़ों के झुंड के पास आए।

भेड़ें और भेड़िए – हरिशंकर परसाई

1) चारों सियार कौन – कौन थे ? [2]

2) भेड़िए की जय बोलते हुए सियार भेड़ों को सभा में क्यों आए थे ? [2]

3) भेड़िया किस प्रकार रूप परिवर्तन करके भेड़ों की सभा में आया व क्यों ? [3]

4) वन प्रदेश की भेड़ों की क्या विशेषता थी ? वे किसका प्रतीक थी और कैसे ? [3]

साहित्य सागर- पद्य भाग
(SAHITYA SAGAR – POEMS)

Question 8

Read the extract given below and answer in Hindi the question that follow:

प्र.८ निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :-

राजा के दरबार में, जैये समया पाय ।
साँई तहाँ न बैठिये, जहँ कोउ देय उठाय ।।
जहँ कोउ देय-उठाय, बोल अनबोले रहिए।
हँसिये नहीं हहाय, बात पूछे ते कहिए।
कह 'गिरिधर कविराय' समय सों कीजै काजा।
अति आतुर नहिं होय, बहुरि अनखैहैं राजा ।।

कुंडलियाँ- गिरिधर कविराय

1) 'राजा के दरबार में, जैये समया पाय ।'इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। [2]

2) शब्दार्थ लिखिए : काजा , आतुर , कोउ , अति । [2]

3) कवि ने यहाँ पर दरबार के किन नियमों का पालन करने के लिए कहा है और क्यों ? [3]

4) कवि परिचय दीजिए। [3]

Question 9

Read the extract given below and answer in Hindi the question that follow:

प्र. ९ निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :-

वह आता-
दो टूक कलेजे के करता पछताता पथ पर आता ।
पेट-पीठ दोनों मिलकर हैं एक,
चल रहा लकुटिया' टेक,
मुट्ठी भर दाने को-भूख मिटाने को
मुँह फटी-पुरानी झोली को फैलाता-
दो टूक कलेजे के करता पछताता पथ पर आता ।

भिक्षुक- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

1) भिक्षुक की उदासी और पछतावे का कारण स्पष्ट कीजिए । [2]

2) ' लकुटिया ' का अर्थ क्या है ? भिक्षुक लकुटिया टेक कर क्यों चल रहा है ? [2]

3) भिक्षुक की अवस्था का वर्णन करते हुए उसके जीवन की विवशता बताइए। [3]

4) भिक्षावृत्ति का कलंक आज भी भारत के माथे पर क्यों लगा है ? कारणसहित स्पष्ट कीजिए। [3]

Question 10

Read the extract given below and answer in Hindi the question that follow:

प्र.१० निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए:-

इस विशद विश्व-प्रवाह में
किसको नहीं बहना पड़ा
सुख-दुख हमारी ही तरह
किसको नहीं सहना पड़ा।
फिर व्यर्थ क्यों कहता फिरूँ मुझ पर विधाता वाम है।
चलना हमारा काम है।

चलना हमारा काम है – शिवमंगल सिंह 'सुमन'

प्रश्न -

1) प्रस्तुत पद्यांश में पहली दो पंक्तियों द्वारा कवि क्या समझाने का प्रयास कर रहे हैं ? [2]

2) सुख - दुख के संदर्भ में कवि के विचार स्पष्ट कीजिए। [2]

3) कवि के अनुसार क्या कहना व्यर्थ है ? उसके स्थान पर सफलता प्राप्ति हेतु क्या करना चाहिए ? [3]

4) प्रस्तुत कविता का केंद्रीय भाव लिखिए। [3]

****